

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

निदेशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून ।

नागरिक उड्डयन विभाग

देहरादून: दिनांक 16 अक्टूबर, 2006

विषय- राज्य के स्वामित्व वाली हवाई पट्टी गौचर(चमोली), पिथौरागढ़ (नैनीसैनी), चिन्यालीसौढ़ (उत्तरकाशी) की सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में निजी संस्थाओं को अनुबन्धित किये जाने की प्रशासनिक एवम वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या- 619/रा0न0उ0नि0/एस-4/2006 दिनांक 23 अगस्त, 2006 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपके प्रस्तावानुसार विचाराधीन प्रकरण में गौचर (चमोली) चिन्यालीसौढ़ (उत्तरकाशी) एवं नैनी सैनी (पिथौरागढ़) हवाई पट्टियों तथा स्टेट वीआईपी हैंगर, जौलीग्राण्ट, देहरादून की सुरक्षा व्यवस्था हेतु स्टेट वीआईपी हैंगर, जौलीग्राण्ट, देहरादून के प्रकरण के अनुरूप तात्कालिकता को देखते हुए स्थानीय पाँच फर्मों से प्राप्त कोटेशन के तुलनात्मक न्यूनतम दर वाली फर्म से ही प्रत्येक हवाई पट्टी हेतु दो-दो तथा स्टेट वीआईपी हैंगर, जौलीग्राण्ट हेतु तीन सुरक्षा गार्ड आगामी तीन माह की अवधि के लिये अनुबन्ध के आधार पर रखे जाने की प्रशासनिक स्वीकृति के साथ ही टैण्डर विषय नियमों में इस सीमा तक शिथिलीकरण भी इस शर्त के अधीन प्रदान किया जाता है कि भविष्य में इस निमित्त टैण्डर आमन्त्रित कर व्यवस्था सुनिश्चित की जाय ।

2- उक्त के सम्बन्ध में व्यय होने वाली धनराशि की अलग से स्वीकृति नहीं प्रदान की जा रही है बल्कि इसका व्यय शासनादेश संख्या- 49/IX/(31)/2006-2007/बजट/प्लान/नॉन प्लान/2006 -07 दिनांक 28 अप्रैल, 2006 द्वारा निदेशक, नागरिक उड्डयन, उत्तरांचल, देहरादून के निवर्तन पर रखी गयी धनराशि से ही किया जायेगा ।

3- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये ।

4- हवाई पट्टियों की सुरक्षा व्यवस्था हेतु सम्बन्धित फर्म के साथ अनुबन्ध हस्ताक्षरित कर लिया जाये । जिसमें विस्तृत दिशा-निर्देश उल्लिखित हो ।

5- यद्यपि सुरक्षा एजेन्सी पर पूर्ण नियन्त्रण विभाग का ही रहेगा तथापि पिथौरागढ़, गौघर एवं चिन्यालीसौढ़ हवाई पट्टियों के प्रकारण में स्थानीय स्तर पर सम्बन्धित सुरक्षा एजेन्सी द्वारा अपने कर्मचारियों के सम्बन्ध में सम्बन्धित जिलाधिकारियों को प्रथम बार सूचना उपलब्ध कराये जाने के बाद जिलाधिकारी द्वारा नामित अधिकारी की उपस्थिति में कार्य आवंटित किया जाये। ताकि वे प्रतिदिन उसी अनुरूप अपने कार्य को निष्पादित कर सकें। सुरक्षा एजेन्सी द्वारा प्रतिमाह के देयक जिलाधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित अधिकारी से सत्यापित / प्रतिहस्ताक्षरित कराते हुये भुगतान हेतु निदेशालय को प्रस्तुत किये जायेंगे। जिलाधिकारी स्वयम् अथवा अपने नामित प्रतिनिधि के माध्यम से सुरक्षा एजेन्सी के कार्य का अनुश्रवण कर सकेंगे तथा सुरक्षा के मध्येनजर कभी भी कोई भी दिशा निर्देश स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप दे सकेंगे।

6- सुरक्षा एजेन्सी द्वारा अनिवार्य रूप से सम्बन्धित जिले के स्थायी निवासियों को ही सुरक्षा गार्ड पर रखने हेतु प्रथम वरीयता प्रदान की जायें।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के अनुदान संख्या- 24 के लेखाशीर्षक 3053 नागर विमानन-80 सामान्य-आयोजनेत्तर-003 प्रशिक्षण तथा शिक्षा-03 नागरिक उड्डयन-00- 16 व्यवसायिक तथा विशेष सेवा के लिये भुगतान के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग अशासकीय संख्या-924 /XXVII(2)/2006 दिनांक 16 अक्टूबर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी0सी0 शर्मा)

प्रमुख सचिव,

संख्या-287 /IX(38)/2006-07 /ह0प0 /अनु0 /संचा0 /2006-2007, समदिनांकित

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवम आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल ओबरोय मोटर बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
 - 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाँऊ मण्डल, नैनीताल।
 - 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
 - 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
 - 5- स्टाफ आफीसर, मुख्य सचिव, उत्तरांचल।
 - 6- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
 - 7- वित्त अनुभाग-2
 - 8- बजट संसाधन एवं राजकोषीय निदेशालय।
 - 9- गार्ड फाईल।
 - 10- एन0आई0सी0 उत्तरांचल।

आज्ञा से,

(पी0सी0 शर्मा)

प्रमुख सचिव,